गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

न्यूज़ लेटर

नित-नूतन उपलब्धियों को हासिल करता विश्व-फ़लक पर चमकता सितारा

इस वर्ष गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को सीएसआर टॉप यूनिवर्सिटी ऑफ इंडिया पुरस्कार, इंजीनियरिंग रैंकिंग 2024 में पाचवाँ स्थान, एशिया एजुकेशन रिव्यु मैगज़ीन में टॉप शीर्ष दस विश्वविद्यालयों में स्थान, भारत में सर्वश्रेष्ठ एआई संस्थानों की रैंकिंग में प्रतिष्ठित तीसरा स्थान, सीएसआर-बी स्कूल सर्वेक्षण 2024 में भारत के शीर्ष सरकारी बिजनेस स्कूलों में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट को 5वाँ स्थान प्राप्त ।

780198 601838

वर्ष : 2 अंक : 8 नवंबर-दिसंबर 2024 हिन्दी संस्करण

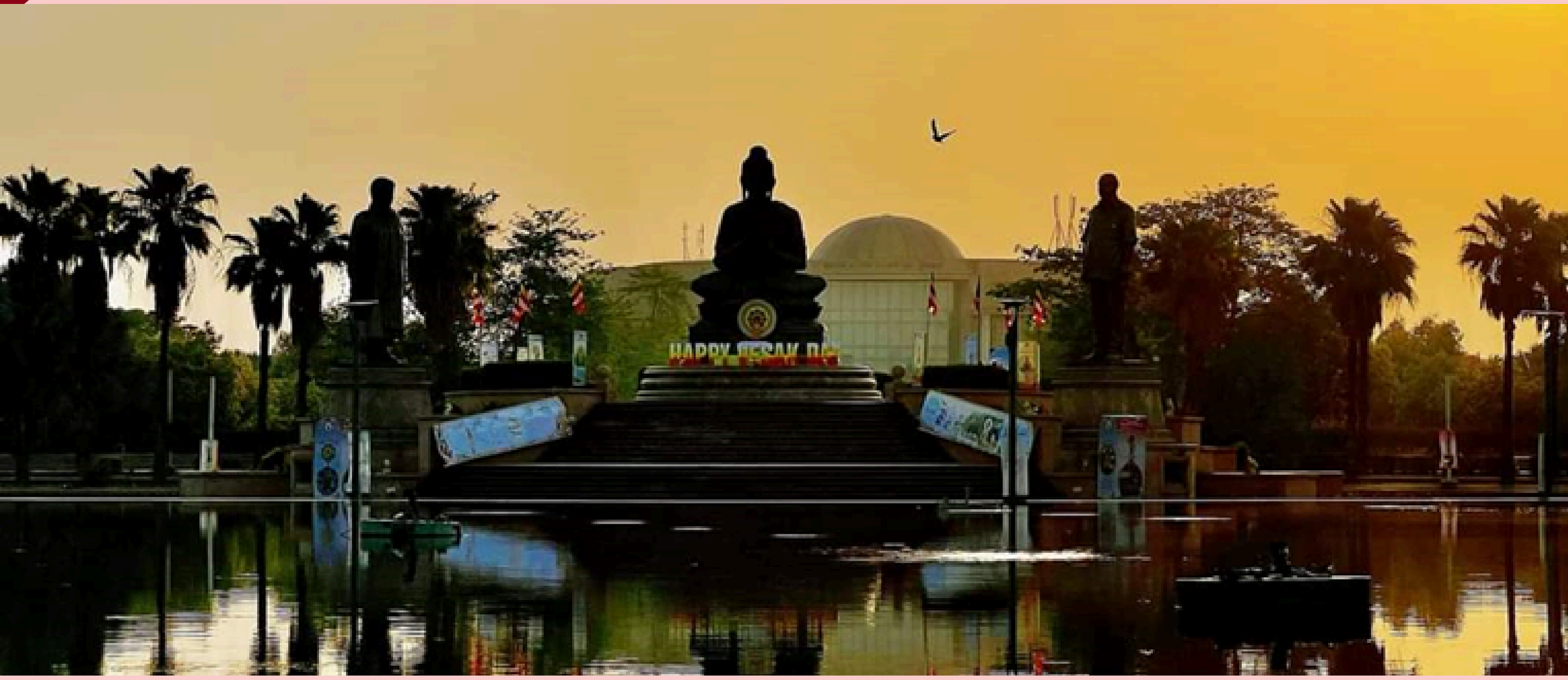

मखमली सर्दी में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बढ़ते कदम

सर्दियों की नरम छाँह में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय की हर उपलब्धि जैसे मखमली सर्द चादर हटा कर कह रही हो, देखो हम निरंतर विकास के मार्ग पर अग्रसर हो रहे हैं और कदम-दर-कदम विश्व-फलक पर चमकने का सपना साकार होते हुए हुए देख रहे हैं । इस वर्ष विशेष उपलब्धियों में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को सीएसआर टॉप यूनिवर्सिटी ऑफ इंडिया पुरस्कार, इंजीनियरिंग रैंकिंग 2024 में पाचवाँ स्थान, एशिया एजुकेशन रिव्यु मैगज़ीन में टॉप शीर्ष दस विश्वविद्यालयों में स्थान, भारत में सर्वश्रेष्ठ एआई संस्थानों की रैंकिंग में प्रतिष्ठित तीसरा स्थान, सीएसआर-बी स्कूल सर्वेक्षण 2024 में भारत के शीर्ष सरकारी बिजनेस स्कूलों में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट को 5वाँ स्थान प्राप्त हुआ है तथा साथ ही गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कैंपस को 'ईट राइट कैंपस' के खिताब से नवाजा गया ।

इस वर्ष फेकल्टीज़ और विद्यार्थियों की निखरती प्रतिभा विश्वविद्यालय की शोभा में वृद्धि करती हुई नज़र आ रही हैं । विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा को अकादमिक इनसाइट पत्रिका ने '20 सबसे प्रभावशाली कुलपति' का दर्जा दिया है । विश्वविद्यालय के विभिन्न फेकल्टीज़ के हिस्से में कई बड़े अवार्ड (साइको ओरेशन अवार्ड-2024, राजेन्द्र यादव हंस सम्मान 2024, कॉपीराइट अवार्ड वर्ष 2023-24, श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको युवा साहित्य सम्मान – 2024) और तीन पेटेंट आये हैं, साथ ही मनोविज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अनुसंधान में विशेष सफलता हासिल की हैं। फेकल्टीज़ के साथ साथ छात्रों की उपलब्धियाँ भी विशेष रहीं, जैसे कि एनसीसी के कई कैडेट्स का सेना के विभिन्न पदों पर चयन, कुस्ती में ब्रज केसरी का खिताब हासिल करना, सचिन सिंह और आशीष राघव का वैश्विक स्तर पर 'टीसीएस कोडविटा' प्रतियोगिता में क्रमशः 202वीं और 218वीं रैंक प्राप्त करना, स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 में विश्वविद्यालय के टीम का शीर्ष तक पहुँचना आदि ।

इन सबके साथ विश्वविद्यालय में ग्लिच टेक फेस्ट 2024, मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2024, 13वाँ शौर्योत्सव 2023-24, पी.एन.माथुर मेमोरियल राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2024, स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024, अभिव्यंजना 2024, भारत शिक्षा एक्सपो 2024 में प्रतिभागिता के साथ साथ राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला, विशेषज्ञ व्याख्यान आदि तथा प्रवेश में वृद्धि और मध्यसत्रीय, सत्रीय परीक्षा के कारण छात्रों में पूरे साल उत्साह का माहौल बना रहा ।

विश्वविद्यालय में विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में नियुक्तियों तथा पदोन्नति ने विश्वविद्यालय को एक कदम आगे बढ़ाया है । कुल मिलाकर इस वर्ष यह विश्वविद्यालय "अब लौं नसानी, अब न नसैहों" के तर्ज पर आगे बढ़ रहा है और नव वर्ष में अपनी नई योजनाओं और आशाओं के साथ कदम रख रहा है ।

****

आईईटीई के 71वें फाउंडेशन डे पर कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा

आईईटीई के 71वें फाउंडेशन डे में कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा शामिल : 5 नवंबर को द इन्स्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स (आईईटीई) के '71वें फाउंडेशन डे' पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा शामिल हुए तथा अपने वक्तव्य में इस कार्यक्रम के थीम 'इंडियाज़ लीडरशिप इन 6जी – डिज़ाइन एंड प्रॉड्यूस इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड' पर अपने विचार प्रस्तुत किए ।

****

डॉ. राहुल कपूर बच्चों को स्वेटर प्रदान करते हुए

दान अभियान : 8 नवम्बर को समाज कार्य विभाग ने विश्व शांति सामाजिक संस्थान के साथ मिल कर जीबीयू के आस पास रहने वाली झुग्गी झोपड़ियों के निवासियों के लिए एक सफल दान अभियान चलाया, जिसके अंतर्गत सावित्री बाई फुले इंटर कॉलेज के सामने बच्चों को स्वेटर और कपड़े बांटे गए । इस अभियान में समाज कार्य विभाग के सदस्य डॉ. राहुल कपूर और श्री नवनीत सिंह, छात्र ब्राइटसन, केशव, हिमांशी और नबील तथा विश्व शांति सामाजिक संस्थान के सहयोगी श्री प्रवीण जी दान अभियान के मुख्य संयोजक ने बच्चों को स्वेटर और कपड़े प्रदान किया ।

****

बौद्ध समाज निर्माण एवं आचार संहिता विमोचन समारोह

बौद्ध समाज निर्माण एवं आचार संहिता विमोचन समारोह : 10 नवंबर को धम्मभूमि बुद्धिस्ट वेलफेयर ट्रस्ट, अलीगढ़ एवं बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय, जीबीयू के संयुक्त तत्वावधान में ''बौद्ध समाज निर्माण एवं आचार संहिता विमोचन समारोह'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी ने अपने सम्बोधन में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय तथा इसमें संचालित बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। एडीशनल कमिश्नर अशोक गौतम ने धम्मभूमि बुद्धिस्ट वेलफेयर ट्रस्ट की गतिविधियों तथा इसके योगदान पर चर्चा की।

बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के फेकल्टी डॉ. चन्द्रशेखर पासवान ने जीबीयू के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा का सन्देश वाचन किया तथा विभागाध्यक्ष डॉ. चिन्ताला वेंकटा सिवासाई ने गौतम बुद्ध के जीवन-दर्शन पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में डॉ. भिक्खु करुणाशील राहुल, डॉ. अरविन्द कुमार सिंह, डॉ. प्रियदर्शिनी मित्रा, डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य, डॉ. मनीष मेश्राम, डॉ पंकज दीप, अलंकार बौद्ध आदि 2000 से अधिक लोगों ने अपनी उपस्थिति से गरिमा बढ़ाई ।

****

भारत शिक्षा एक्सपो 2024

"भारत शिक्षा एक्सपो 2024" में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के प्रदर्शनी एवं गतिविधियों की कुछ झलकियाँ

भारत शिक्षा एक्सपो 2024 : 11 से 13 नवंबर तक नॉलेज पार्क स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में तीन दिवसीय 'भारत शिक्षा एक्सपो 2024' का आयोजन हुआ, जिसमें गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने अपनी भागीदारी दर्ज की । इस आयोजन में विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षिक गतिविधियों, पाठ्यक्रमों और भविष्य के तकनीकी दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया तथा विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस, आईटी, इंजीनियरिंग, बौद्ध अध्ययन, अप्लाइड साइंसेज, लॉ, बायोटेक्नोलॉजी और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान जैसे क्षेत्रीय पाठ्यक्रमों का प्रदर्शन किया।

यह ध्यातव्य है कि 'भारत शिक्षा एक्सपो 2024' का भव्य उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय द्वारा किया गया। उद्घाटन के पश्चात् प्रदर्शनी के भ्रमण के दौरान उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय तथा प्रो. डी. पी. सिंह, मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के स्टाल पर आये और दीप प्रज्वलित कर विश्वविद्यालय के प्रदर्शनी स्टाल का उद्घाटन किया । इस क्रम में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने उन्हें जीबीयू की दीक्षांत समारोह की पुस्तिका एवं एडमिशन ब्रोसर भेंट कर स्टाल पर पधारने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर प्रदर्शनी पर अपना वक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा कि हमारा विशेष आकर्षण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर है । यह सेंटर राज्य में उभरते हुए तकनीकी क्षेत्रों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, साथ ही छात्रों को नई तकनीकों के साथ शिक्षा और अनुसंधान के अवसर प्रदान करेगा । विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए डॉ. विश्वास त्रिपाठी, कुलसचिव, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने कहा, "भारत शिक्षा एक्सपो 2024, भारत को विश्व गुरु बनाने के सपने की शुरुआत है। यह आयोजन पारंपरिक शिक्षा पद्धतियों के साथ आधुनिक तकनीकों से छात्रों और शिक्षकों को रूबरू कराता है। हम मानते हैं कि इस प्रकार के मंच भारत की शिक्षा प्रणालियों को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने में सहायक होंगे।"

भारत शिक्षा एक्सपो 2024 का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे बदलावों से छात्रों और शिक्षकों को अवगत कराना था। इस आयोजन में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने अपनी उपस्थिति से यह सिद्ध कर दिया कि वह न केवल शैक्षिक दृष्टिकोण से, बल्कि तकनीकी और अनुसंधान दृष्टिकोण से भी अग्रणी है।

****

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2024 : 12 नवंबर को स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2024 में 54 मंत्रालयों, उद्योगों, विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयूएस) और राज्य सरकारों द्वारा कुल 254 समस्याओं को प्रस्तुत किया गया था । गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय की टीम 'वेंक्टेश्वर' को जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत 'विभिन्न कृषि उत्पादों के लिए जल पदचिन्ह का डिजिटल तकनीक से आकलन' (प्रॉब्लम स्टेटमेंट SIH1689) पर कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ । इस समस्या के लिए कुल 123 विचार प्रस्तुत किए गए थे, जिनमें से शीर्ष 5 टीमों का चयन हुआ है और उनमें से एक टीम 'वेंक्टेश्वर' भी रहा। टीम 'वेंक्टेश्वर' के सदस्य अक्षत गुप्ता (टीम लीडर), आरूषि संगल, अभिनव कुमार, कौशल जीत, यशस्वी शुक्ला और शाश्वत उपाध्याय थे। टीम राष्ट्रीय स्तर पर एसआईएच के फाइनल में पहुँचकर अपनी मेहनत और संकल्प से असंभव को संभव कर दिखाया है ।

****

फ्रेशर्स पार्टी 2024

फ्रेशर्स पार्टी : 13 नवंबर को महिला छात्रावास में छात्राओं द्वारा नव प्रवेशित छात्राओं के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया । इस पार्टी में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नृत्य, संगीत एवं रैंप वॉक आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । प्रतियोगिताओं के परिणाम स्वरूप 2024 की एंटरटेनर 2024 हंसिका, भेष-भूषा 2024 दिव्या तथा मिस फ्रेशर 2024 गरिमा चुनी गईं ।

****

चार-दिवसीय विपस्सना कार्यशाला में भन्ते धम्मदीप के साथ विश्वविद्यालय के फेकल्टीज़ एवं विद्यार्थी

चार-दिवसीय विपस्सना कार्यशाला : 15 से 19 नवंबर तक गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में स्थित महात्मा जोतिबा फूले ध्यान केन्द्र में चार-दिवसीय विपस्सना कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि एवं जी.बी.यू. के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. एन.पी. मलकानिया ने कहा कि मानव शरीर को आराम देने में ध्यान अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मानसिक सन्तुलन तथा मानसिक स्वास्थ्य की प्राप्ति में विपस्सना का अभ्यास नितान्त आवश्यक है, तभी व्यक्ति मानसिक तनाव से मुक्त होकर सुखी जीवनयापन कर सकता है।

साऊथ कोरिया से पधारे कोरिया मेडीटेशन टीचर एसोसिएशन के प्रमुख पूजनीय भन्ते धम्मदीप ने बौद्ध ध्यान साधना के विदेशों में प्रचार-प्रसार से संबंधित ऐतिहासिक जानकारी प्रदान करते हुए साऊथ कोरिया में बौद्ध ध्यान केन्द्रों की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला। मेडीटेशन के आचार्य भन्ते धम्मदीप ने अपने सम्बोधन में कहा कि मन में विद्यमान अकुशल विचारों, चिन्ता एवं तनाव से मुक्ति पाने हेतु दैनिक जीवन में विपस्सना भावना का अभ्यास बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों को आनापानसति का अभ्यास भी करवाया।

इस अवसर पर विपस्सना कोर्स के समन्वयक एवं बौद्ध अध्ययन के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मनीष मेश्राम ने चार-दिवसीय विपस्सना कार्यशाला की रूपरेखा पर अपने संक्षिप्त विचार रखें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी, बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय की डीन प्रो. श्वेता आनन्द, फेकल्टीज़ डॉ. चन्द्रशेखर पासवान, डॉ. अरविन्द कुमार सिंह, डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य, प्रो. एन. पी. मलकानिया, डॉ. चिन्ताला वेंकटा सिवासाई, डॉ. प्रियदर्शिना मित्रा ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ायी । इस कार्यशाला में देश-विदेश के विदेशी बौद्ध भिक्षु एवं भिक्षुणियों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

****

राम कुमार यादव व्याख्यान देते हुए

विशेषज्ञ व्याख्यान : 14 नवंबर को स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी में एक दिलचस्प एवं ज्ञानवर्द्धक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम के वक्ता एनएसआईसी तकनीकी सेवा केंद्र के डीजीएम अलीगढ़ राम कुमार यादव ने अपने वक्तव्य में जैव प्रौद्योगिकी विभाग और खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी विभाग के संकाय और छात्रों ने भारत सरकार द्वारा स्टार्टअप्स के लिए विभिन्न वित्त पोषण और समर्थन पहलों, जैसे पीएम रोजगार सृजन कार्यक्रम, पीएम मुद्रा योजना आदि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए सार्वजनिक खरीद नीति जैसे एमएसएमई को समर्थन देने पर भी प्रकाश डाला । एमएसईएस नीति के तहत, एमएसएमई को समर्थन तंत्र के साथ सरकारी अनुबंधों में प्राथमिकताओं की भी जानकारी दी ।

यह ध्यान देने योग्य है कि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ गठबंधन किया है, जिनमें से एक राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम एनएसआईसी है-जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित भारत सरकार का उद्यम है। एनएसआईसी का उद्देश्य देश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास को बढ़ावा देना और सहायता करना है।

****

प्रो. थिच नहत तु को सम्मानित करते हुए प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा

वियतनाम के रेक्टर प्रो. थिच नहत तु द्वारा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का दौरा : 18 नवंबर को वियतनाम के बुद्धिस्ट यूनिवर्सिटी के स्थायी रेक्टर प्रो. थिच नहत तु ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा और कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी से मुलाकात की और बौद्ध अध्ययन के शिक्षकों से संवाद किया। प्रो. तु ने विश्वविद्यालय को एक 3 मीटर ऊँची बुद्ध प्रतिमा अर्पित करने का प्रस्ताव रखा और वियतनाम बौद्ध विश्वविद्यालय के साथ अकादमिक सहयोग की संभावना पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने आगामी 'यूनाइटेड नेशंस डे ऑफ वेसाक' सम्मेलन के लिए कुलपति एवं कुलसचिव को निमंत्रण दिया। यह दौरा दोनों विश्वविद्यालयों के बीच भविष्य में अकादमिक और सांस्कृतिक सहयोग को और मजबूत करेगा।

****

विशेषज्ञ व्याख्यान : 18 नवंबर को शिक्षण एवं प्रशिक्षण विभाग में एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अरविंद कुमार मिश्रा, जाकिर हुसैन सेंटर ऑफ स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. अरविंद कुमार मिश्रा जी ने अपने वक्तव्य में शोध के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए शोध की गुणवत्ता पर महत्वपूर्ण बल दिया, साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित शोध पत्र-पत्रिकाओं को पढ़ने एवं भविष्य में शोध-पत्र प्रकाशित करवाने हेतु प्रेरित किया। प्रो. मिश्रा ने अपने सारगर्भित व्याख्यान में शोध के विभिन्न चरणों का संक्षिप्त परिचय भी दिया एवं अंत में छात्र-छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देकर विद्यार्थियों के जिज्ञासाओं को शांत किया। इस अवसर पर मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. वंदना पाण्डेय ने छात्रों को प्रेरित किया । कार्यक्रम समन्वयक तथा विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्रम सह समन्वयक डॉ. श्रुति कंवर, डॉ. ममता रानी, डॉ. शालिनी भारद्वाज, डॉ. वैशाली एवं समस्त विद्यार्थियों ने व्याख्यान का लाभ उठाया।

****

डिजिटल इंडिया टॉक शो में कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा तथा अन्य

डिजिटल इंडिया टॉक शो : 19 नवंबर को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में 'डिजिटल इंडिया टॉक शो' नामक एक विशेष इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भारत में डिजिटल पहलों के परिवर्तनकारी प्रभाव पर चर्चा करने के लिए गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, स्कूल ऑफ आईसीटी के अधिष्ठाता प्रो. संजय कुमार शर्मा

और नेजीडी के वरिष्ठ प्रतिनिधि, जिसमें श्री प्रणव उपाध्याय, जनरल मैनेजर, श्री सुमन प्रसाद, उप जनरल मैनेजर, सुश्री जहानवी सिंह, मैनेजर और श्री सम्राट किशोर, विषय विशेषज्ञ शामिल रहें। इस टॉक शो में कई महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया, जैसे कि डिजीलॉकर, एंटिटी लॉकर, एपीएआर आईडी, एपीआई सेतु, उमंग और ओपनफोर्ज आदि। अन्य हाइलाइट किए गए विषयों में यूएक्स4जी प्लेटफॉर्म, माईस्कीम, साइबर सिक्योरिटी, मानसिक स्वास्थ्य के लिए मनस पोर्टल, और तकनीकी अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना शामिल थे।

इस कार्यक्रम में प्रो.रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने युवा पीढ़ी के जीवन में डिजिटल प्लेटफॉर्म की बढ़ती भूमिका पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने चर्चा की कि कैसे ये मंच आज के युवाओं की शिक्षा, करियर और जीवन-शैली विकल्पों को प्रभावित कर आकार दे रहे हैं तथा कैसे डिजीलॉकर, एपीएआर आईडी, और एपीआई सेतु जैसे उपकरण तेजी से दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बन रहे हैं, विशेष रूप से छात्रों के लिए, दस्तावेज प्रबंधन से लेकर सरकारी सेवाओं तक सहज पहुँच तक सब कुछ सुविधाजनक बना रहे हैं। इस बीच श्री प्रणव उपाध्याय ने डिजिटल इंडिया की पहल के चल रहे प्रभाव पर बात की, जिसमें यह विस्तार से बताया कि कैसे ये प्रयास शासन को बदल रहे हैं, पारदर्शिता बढ़ा रहे हैं और पूरे देश में समावेशी विकास को सक्षम कर रहे हैं तथा उन्होंने भविष्य की अंतर्दृष्टि भी साझा की कि कैसे ये पहल भारत के डिजिटल परिवर्तन को विकसित और ड्राइव करते रहेंगे।

इस टॉक शो में डॉ विदुषी शर्मा, डॉ नीता सिंह, डॉ अरुण सोलंकी, डॉ अनिका, डॉ आरती सिंह दिनकर, डॉ राजू पाल, डॉ गौरव कुमार, डॉ शिराज खुराना, डॉ राहुल कुमार सहित अन्य फेकल्टीज़ एवं विद्यार्थियों ने भी भाग लिया ।

****

कार्यशाला में प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा तथा डॉ. मौसमी भारद्वाज

तीन-दिवसीय कार्यशाला : 19 से 21 नवम्बर तक स्कूल ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी द्वारा तीन-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संपन्न हुआ । इस कार्यशाला में 'जेल टू जीन: मास्टरिंग पीसीआर, प्राइमर डिज़ाइन और इलेक्ट्रोफोरेसिस' का उद्घाटन किया गया तथा आणविक जीवविज्ञान के महत्वपूर्ण तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया । इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. मौसमी भारद्वाज, वैज्ञानिक-जी और प्रमुख, आणविक जीवविज्ञान समूह, एनआईसीपीआर, नोएडा ने अपने संबोधन में क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी छात्रों के कौशल को मजबूत करने के साथ-साथ सहकारी अनुसंधान और अकादमिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा कि बेहतर वैज्ञानिक विकास के लिए एनसीआर के संस्थानों को अपने बुनियादी ढांचे का कुशल साझाकरण करना चाहिए तथा उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह कार्यशाला जीबीयू को क्षेत्रीय ज्ञान केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो छात्रों को आणविक जीवविज्ञान के कौशल में प्रवीण बनाने के लिए काम करेगा।

कार्यशाला में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. एन.पी. मलकानिया तथा कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. नगेंद्र सिंह ने समकालीन चिकित्सा और पर्यावरण संदर्भ में आणविक जीवविज्ञान की विधियों की महत्ता को रेखांकित किया। इस कार्यशाला में भाग लेने वाले 30 प्रतिभागियों को पीसीआर (पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन), प्राइमर डिज़ाइन, एगरोज़ जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस और डीएनए संबंधित तकनीकों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया । इस कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में डॉ. इम्तेयाज कमर, डॉ. विक्रांत नैन, डॉ. रेखा पुरिया, डॉ. दीपाली सिंह और अन्य विशेषज्ञों ने कार्यशाला को सफल बनाया।

****

श्री पीयूष शंकर गर्ग के साथ परिचर्चा में भाग लेते हुए विद्यार्थी

परिचर्चा : 19 नवंबर को प्रबंधन विभाग में 'उभरती तकनीकों का व्यवसाय प्रबंधन में बदलते परिदृश्य पर प्रभाव' विषय पर एक विशेष परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा में मुख्य वक्ता के रूप में टीसीएस, फाइसेर्व और लिंट्रा जैसी कंपनियों में नेतृत्वकारी भूमिकाएँ निभाने वाले श्री पीयूष शंकर गर्ग रहें।

श्री गर्ग ने अपनी प्रस्तुति में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, बिग डेटा और अन्य उभरती तकनीकों के व्यवसाय प्रबंधन पर पड़ने वाले प्रभाव पर गहन विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे ये तकनीकें व्यवसायों की दक्षता को बढ़ा रही हैं, ग्राहक अनुभव को पुनः परिभाषित कर रही हैं और प्रतिस्पर्धा के नए आयाम खोल रही हैं।

प्रबंधन विभाग की अधिष्ठाता डॉ.इंदु उप्रेती ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, "21वीं सदी तकनीकी युग है और प्रबंधन के छात्रों को नई तकनीकों को समझते हुए प्रबंधन कौशल सीखना होगा, जिससे वे बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।" कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नवीन कुमार, प्रबंधन विभाग के छात्रों और शोधार्थियों ने इस परिचर्चा में भाग लिया ।

****

बायें से प्रो. बंदना पांडे, डॉ. देबजानी सेनगुप्ता तथा डॉ. सुमित्रा हुइड्रोम

भारतीय अंग्रेजी साहित्य दिवस : अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग ने साहित्यिक दिग्गज राजा राव की जयंती के अवसर पर 20 नवंबर को 'भारतीय अंग्रेजी साहित्य दिवस' मनाया था। इस दिवस को मनाने के लिए 18 से 20 नवंबर तक एक आमंत्रित वार्ता सहित कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई । 18 नवंबर को छात्रों को भारतीय अंग्रेजी साहित्य की समृद्ध टेपेस्ट्री से परिचित कराने और प्रेरित करने के लिए क्विज, पेंटिंग/पोस्टर मेकिंग और एलोक्यूशन समापन जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

इस कार्यक्रम में डॉ. देबजानी सेनगुप्ता, लेखिका और सहयोगी प्रोफेसर, इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि और वक्ता रहीं। उन्होंने 'भारतीय अंग्रेजी कविता: पाठ और संदर्भ' पर व्याख्यान दिया, साथ ही उन्होंने 18 नवंबर को आयोजित कार्यक्रमों के विजेताओं के नामों की भी घोषणा किया, तत्पश्चात् छात्रों से प्रश्नोत्तर का दौर भी चला । इस अवसर पर मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. बंदना पांडे ने छात्रों का उत्साहवर्द्धन किया और अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित्रा हुइड्रोम, फेकल्टीज़ डॉ. बिपाशा सोम, डॉ. मंजरी सुमन, डॉ. रिया राज सहित अन्य फेकल्टीज़ एवं छात्र-छात्राएँ इस कार्यक्रम से लाभान्वित हुए ।

****

विश्व टेलीविजन दिवस पर श्री राहुल महाजन तथा प्रो. वंदना पाण्डेय के साथ शिक्षकगण एवं विद्यार्थी

विश्व टेलीविजन दिवस-2024 : 21 नवंबर को विश्व टेलीविजन दिवस के अवसर पर जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में इंडिया डेली लाइव समाचार चैनल के प्रधान संपादक श्री राहुल महाजन उपस्थित रहें । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यदि आप स्वयं पर भरोसा करते हैं तो जर्नलिज़्म में सफल होने से आपको कोई नहीं रोक सकता। यह कार्यक्रम गुरुवार को विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया । इस अवसर पर टेलीविजन की विश्व यात्रा और उद्भव से संबंधित एक फिल्म भी विद्यार्थियों को दिखाया गया । साथ ही उन्होंने बताया कि टेलीविजन पत्रकारिता में सिर्फ एंकर और रिपोर्टर ही महत्वपूर्ण नहीं होता है बल्कि किसी टेलीविजन समाचार चैनल की स्क्रीन के पीछे भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाले समेत कई अन्य लोग भी कार्य कर रहे होते हैं। वहीं समाचार चैनलों में एंकर और रिपोर्टर के अलावा कई अन्य प्रकार के जॉब के अवसर जैसे ग्राफिक्स डिजाइनर बनने का भी मौका आपके पास होता है।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता और जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. बंदना पांडेय ने छात्र-छात्राओं को विश्व टेलीविजन दिवस की बधाई देते हुए कहा कि श्री महाजन को मुख्य अतिथि के रूप में अपने विद्यार्थियों से रूबरू कराने का एकमात्र उद्देश्य यह है कि टेलीविजन पत्रकारिता के व्यवहारिक पक्ष को यदि टेलीविजन जगत के एक वरिष्ठ पत्रकार और प्रधान संपादक से सुना जाए, तो आज के कार्यक्रम का उद्देश्य पूरा हो जाता है।

इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारिता के विद्यार्थियों के मीडिया से

संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी राहुल महाजन ने बड़ी तन्मयता और स्पष्टता से दिया । इस अवसर पर जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विनीत कुमार, डॉ. बिमलेश कुमार, डॉ. कुमार प्रियतम, डॉ. आशुतोष वर्मा, डॉ. प्रतिमा एवं मिस करुणा सिंह, सोशल वर्क के डॉ. राहुल सहित कई अन्य विभागों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें और परिचर्चा का लाभ उठाया ।

****

व्याख्यान देते हुए अर्थशास्त्री प्रो. सुपर्ण कुमार शर्मा

विशेषज्ञ व्याख्यान : 21 नवंबर को अर्थशास्त्र, योजना और विकास विभाग द्वारा 'तर्क संगत निर्णय की तकनीक' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस व्याख्यान में प्रमुख वक्ता प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रो. सुपर्ण कुमार शर्मा रहें । उन्होंने अर्थशास्त्र में उपभोक्ता एवं उत्पादनकर्ता के तर्क संगत निर्णय के मान्यताओं पर जोर देते हुए छात्रों को विभिन्न परिस्थितियों में तर्क संगत निर्णय लेने की तकनीकों से अवगत करवाया। उन्होंने निर्णय लेते समय सुप्रसिद्ध विद्वान बोनो द्वारा दिए गए 'छः सोच टोपियों' के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि हमारे कार्यों, निर्णयों की भूमिका से हमारे करियर और समग्र रूप से जीवन पर, जीवन भर प्रभाव पड़ता है परंतु तर्क संगत निर्णय लेना आसान नहीं होता एवं एक अर्थव्यवस्था, संस्था, या व्यक्ति को इसमें विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ता है। फिर भी इन परेशानियों को विभिन्न तकनीकों के माध्यम से कम किया जा सकता है। उन्होंने अपने विचारों से छात्रों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस व्याख्यान में विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ओमबीर सिंह, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रूपाली श्रीवास्तव, डॉ. सतीश मित्तल, डॉ. राहुल, डॉ. बबलू, अनमोल कुमार, सुश्री दिव्या तिवारी, श्री शुभम् दुबे और 75 से अधिक छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

****

अभिव्यंजना की झलकियाँ

अभिव्यंजना : 22-23 नवंबर को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में जीबीयू सांस्कृतिक परिषद द्वारा वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'अभिव्यंजना' का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ, जो छात्रों की रचनात्मकता और सांस्कृतिक अभिरुचि का प्रतीक है ।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा और कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी की उपस्थिति में स्पिक-मैके के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राधा मोहन तिवारी ने किया। सृजनात्मकता और संस्कृति को प्रोत्साहित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. तिवारी ने छात्रों की कला एवं सांस्कृतिक रुचि की सराहना किया और कहा, "इस प्रकार के महोत्सव छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने का बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं।" गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने इसे मेगा सांस्कृतिक आयोजन करार दिया और छात्रों को परीक्षा से पूर्व तनावमुक्त होने का अवसर दिया।

महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें काव्य संगम, डुएट डांस, ड्रामा, एड मेकिंग और आर्ट ऑफ लाइट जैसी प्रतियोगिताओं में छात्रों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। टेक्नो क्लब द्वारा आयोजित हैकाथॉन में आरोग्य युवा टीम ने जीत हासिल की और बेस्ट इनोवेशन अवॉर्ड आरोहा टीम को मिला। इस अवसर पर 'यशोधरा शिक्षा शिविर' के बच्चों को स्कूल बैग प्रदान करके उनका उत्साहवर्द्धन किया गया तथा समापन समारोह में इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की प्रोफेसर प्रो. नीना सिन्हा ने विजेताओं को अवॉर्ड और सर्टिफिकेट प्रदान किया ।

समापन समारोह में विश्वविद्यालय के हॉकी ग्राउंड में आयोजित कंसर्ट नाइट ने महोत्सव को यादगार बना दिया, जहां छात्रों ने संगीत और मनोरंजन का पूरा आनंद लिया।

इस महोत्सव में लगभग 3000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और 250 से ज्यादा वालंटियर्स ने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। इस आयोजन में जीबीयू सांस्कृतिक परिषद् की अध्यक्ष डॉ. शक्ति साही और उपाध्यक्ष डॉ. ममता शर्मा के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने अपनी भागीदारी से कार्यक्रम को सफल बनाया।

****

संगोष्ठी में उपस्थित विद्वान एवं विद्यार्थी

राष्ट्रीय संगोष्ठी : 22-23 नवंबर को वातावरण एवं पर्यावरण के बिगड़ते स्वरूप को देखते हुए जीबीयू के शहरी एवं क्षेत्रीय योजना विभाग ने इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स इंडिया (आईटीपीआई), नई दिल्ली के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर की दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य विशेषज्ञों, प्रैक्टिशनरों, नीति निर्धारकों और अकादमिक जगत के सदस्यों को एकत्रित करना रहा है, ताकि वे योजना स्थिरता और पारिस्थितिक बहाली के लिए प्रभावी रणनीतियों पर विचार कर सकें। इसमें भविष्य के शहरों के लिए उभरते दृष्टिकोण; उपकरण और प्रौद्योगिकी-शहरीकरण और अर्बनीकरण; जल और विरासत संरक्षण; जलवायु परिवर्तन, अनुकूलन और आपदा जोखिम प्रबंधन; माइक्रो क्रेडेंशियल; स्थिरता शिक्षा और जलवायु शासन के उपाय शामिल थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, प्रमुख अतिथि आईटीपीआई के अध्यक्ष श्री एन.के. पटेल और सम्मानित अतिथि जीएनआईडीए की जीएम प्लानिंग श्रीमती लीनू सहगल अपने विचार साझा किए। इस कार्यक्रम में डॉ. कीर्ति पाल, कार्यक्रम की संयोजक डॉ. निर्मिता मेहरोत्रा, एसपीए, दिल्ली के सलाहकार बोर्ड के प्रो. आर. श्रीनिवास, जीएनडीयू के निदेशक प्रो. अश्वनी लूथरा, फैकल्टी मेम्बर आलोक वर्मा, माधुरी अग्रवाल, राजेश कुमार, एबीएसएंटी सिंह, गरिमा रानी, आकाश पांचाल, शैलजा तथा विद्यार्थियों सहभागी बनें ।

****

कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा तथा अन्य

क्वांटम कंप्यूटिंग पर राष्ट्रीय कार्यशाला : 24 नवंबर को एप्लाइड फिजिक्स विभाग और स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'क्वांटम कंप्यूटिंग' का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ । जिसमें आईआईटी रुड़की, बिट्स पिलानी और दिल्ली विश्वविद्यालय सहित 21 प्रमुख विश्वविद्यालयों और संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने अपने प्रेरणादायक भाषण में डी ब्रोगली रेडिएशन थ्योरी में सुधार और मेटामटीरियल्स में प्रगति पर अपने शोध कार्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को इन क्षेत्रों में गहरी खोज करने के लिए प्रेरित किया और क्वांटम युग में इनकी महत्ता को रेखांकित किया। प्रो. पैट्रिक दास गुप्ता और प्रो. अनिर्बान पाठक ने क्वांटम कंप्यूटिंग और क्रिप्टोग्राफी पर विचार प्रस्तुत किए। आईबीएम के डॉ. एल. वेंकट सुब्रमणियम ने क्वांटम यूटिलिटी के युग में क्वांटम कंप्यूटिंग पर अपने विचार साझा किए, जबकि प्रो. अशोक कुमार ने क्वांटम मशीन लर्निंग पर चर्चा की। सिलिकॉफेलर क्वांटम ने क्वांटम एल्गोरिदम का हाथों-हाथ प्रदर्शन किया। डॉ. मौसुमी पोहित, हेड, एप्लाइड फिजिक्स विभाग, कार्यशाला संयोजक डॉ. वीनस डिल्लू और डॉ. भावना जोशी ने कार्यशाला के महत्व को रेखांकित किया और इसे छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए एक बेहतरीन मंच बताया।

शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. एन.पी. मल्कानिया, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मनमोहन सिंह सिसोदिया ने क्वांटम तकनीकों में अपने प्रयासों को और विस्तार देने और आने वाली पीढ़ी के शोधकर्ताओं को प्रेरित करने के लिए ऐसी और कार्यशालाओं का आयोजन करने की योजना बनाने की बात करते हुए वर्तमान कार्यशाला की सराहना की ।

****

अटल-संकाय विकास कार्यक्रम की झलकियाँ

अटल-संकाय विकास कार्यक्रम : 25 से 29 नवंबर तक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा आयोजित एक सप्ताह का एआईसीटीई प्रायोजित अटल-संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया गया । इस एफडीपी का उद्देश्य संकाय सदस्यों के शिक्षण कौशल और तकनीकी विशेषज्ञता को उन्नत करना रहा ।

इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी और एनपीसीएल के उपाध्यक्ष सनथ गांगुली ने किया। आईआईटी दिल्ली के प्रो. शांतनु कुमार मिश्रा ने तकनीकी प्रगति पर व्याख्यान दिया तथा वहीं एनएसयूटी, नई दिल्ली की प्रो. प्रेरणा गौर ने इंजीनियरिंग शिक्षा में उभरते रुझानों पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम का लाभ शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. एन.पी. मलकानिया, डॉ. इंदु उप्रेती, प्रो. एस.पी. सिंह, कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. कीर्ति पाल और सह-समन्वयक डॉ. एम.ए. अंसारी, विभागाध्यक्ष डॉ. ओमवीर सिंह सहित अन्य फेकल्टीज़ एवं प्रतिभागियों ने उठाया ।

****

संकाय विकास कार्यक्रम

इलेक्ट्रिक वाहनों पर संकाय विकास कार्यक्रम : 25 से 30 नवंबर तक अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के सहयोग से स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा 'इलेक्ट्रिक वाहन: बैटरी प्रौद्योगिकी और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में प्रगति' विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस एफडीपी में विभिन्न विषयों को शामिल किया गया : - लिथियम-आयन बैटरी प्रौद्योगिकी में प्रगति - सॉलिड-स्टेट बैटरी और उनके अनुप्रयोग - चार्जिंग बुनियादी ढांचा और ग्रिड एकीकरण - इलेक्ट्रिक वाहन नीति और विनियमन कार्यक्रम ने संकाय सदस्यों को क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ जुड़ने, ज्ञान साझा करने और भविष्य के अनुसंधान की दिशाएँ आदि।

इस अवसर पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने अपने वक्तव्य में कार्बन उत्सर्जन को कम करने और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने में इलेक्ट्रिक वाहनों के महत्व पर बल दिया। आईआईटी, दिल्ली के प्रो. डॉ. शांतनु कुमार मिश्रा, एनएसयूटी, नई दिल्ली से प्रो. प्रेरणा गौर और डॉ. वी.एस.के.वी. हरीश, एनआईटी, दिल्ली से डॉ. अनमोल रत्न सक्सेना, विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, हरियाणा से प्रो. आशीष श्रीवास्तव, उद्योग से आलोक रंजन और अजय मिश्रा ने सभा को संबोधित किया और बैटरी प्रौद्योगिकी और चार्जिंग बुनियादी ढांचे में नवीनतम प्रगति पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम के अंतिम दिन इनर इंजीनियरिंग-इको ऑफ ए हार्मोनियस लाइफ से यूएचवी क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. उपासना मिश्रा भी मौजूद रहीं। एफडीपी समन्वयक डॉ. कीर्ति पाल और समन्वयक डॉ. एम. ए. अंसारी सहित प्रतिभागी लाभान्वित हुए ।

****

संविधान दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो.रवीन्द्र कुमार सिन्हा के साथ अन्य

संविधान दिवस : भारतीय संविधान को अंगीकार करने के अवसर पर राजनीतिक विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग द्वारा 26 नवंबर को 'हमारे संस्थापकों (संविधान सभा) द्वारा कल्पित भारत का विचार' विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के उपकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। प्रो. सुषमा यादव ने भारतीय संविधान के इतिहास, उसकी वर्तमान प्रासंगिकता और भविष्य की दिशा पर विस्तृत रूप से चर्चा की। उन्होंने भारतीय राज्य की प्रकृति, मौलिक अधिकारों और राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के महत्व को समझाया, साथ ही बंधुत्व की भावना को भारतीय समाज को एकजुट करने के माध्यम के रूप में प्रस्तुत किया। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने छात्रों को भारतीय संसद के पुस्तकालय में रखी संविधान की मूल प्रति के संरक्षण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के योगदान के बारे में जानकारी दी।

मानविकी और सामाजिक विज्ञान की संकाय अधिष्ठाता प्रो. वंदना पांडे ने संविधान दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला और संविधान सभा में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संविधान

निर्माण में महिलाओं का योगदान अद्वितीय था और यह भारतीय लोकतंत्र की विविधता और समावेशिता का प्रतीक है। राजनीतिक विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विवेक कुमार मिश्रा ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और इसके महत्व को समझाया, साथ ही संविधान का पालन करने का आह्वान किया।

विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज दीप ने सभा में उपस्थित फेकल्टीज़ तथा छात्र-छात्राओं के साथ संविधान के प्रति अपनी निष्ठा और जिम्मेदारी निभाने का संकल्प करवाया ।

****

भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर स्कूल ऑफ लॉ के फेकल्टीज़ एवं विद्यार्थी

26 नवंबर को ही स्कूल आफ लॉ जस्टिस एंड गवर्नेन्स द्वारा भारतीय संविधान दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लॉ संकाय के संकाय अधिष्ठाता डॉ. के.के. द्विवेदी, विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार तिवारी तथा अन्य संकाय सदस्य डॉ चंद्रभानु भरास, डॉ अक्षय कुमार सिंह ने संविधान की महत्ता पर प्रकाश डाला । डॉ. चंद्रभानु भरास ने भारतीय संविधान के सिद्धांतों के संरक्षण में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रत्येक नागरिक को संविधान में निहित मूल्यों को समझने और बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया, जो हमारे राष्ट्र की रीढ़ हैं। डॉ. अक्षय कुमार सिंह ने संवैधानिक जागरूकता को बढ़ावा देने और सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करने में कानूनी प्रणाली और शिक्षा की भूमिका के बारे में भी बात की। डॉ. के. के. द्विवेदी ने इस आयोजन के द्वारा भारतीय संविधान में निहित नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाई और सभी व्यक्तियों के बीच एकता और लोकतंत्र की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। डॉ. संतोष कुमार तिवारी ने इस विशेष दिन को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के सिद्धांतों के आधार पर एक मजबूत और समावेशी समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करना को आवश्यक बतलाया। इस कार्यक्रम में संकाय के बहुत से छात्र छात्राओं तथा संकाय सदस्यों ने भाग लिया, जिन्होंने संविधान के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया।

****

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा तथा विला कॉलेज, मालदीव के प्रतिनिधिमंडल के साथ अन्य

समझौता-ज्ञापन : 28 नवंबर को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा और विला कॉलेज, मालदीव के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) सम्पन्न हुआ। इस समझौते का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच शैक्षिक, अनुसंधान और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने इस अवसर पर कहा, “यह एमओयू हमारे लिए एक बड़ा कदम है, जो विला कॉलेज के साथ मिलकर नए शैक्षिक और अनुसंधान अवसरों को विकसित करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।” विला कॉलेज, मालदीव के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह समझौता दोनों संस्थानों के बीच मजबूत संबंधों की शुरुआत है और शैक्षिक एवं अनुसंधान क्षेत्र में सहयोग के नए अवसर प्रदान करेगा।

इस अवसर पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. एन.पी. मलकानिया, स्कूल ऑफ लॉ, जस्टिस एंड गवर्नेंस के अधिष्ठाता डॉ. के.के. द्विवेदी, विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार तिवारी और अन्य प्रमुख संकाय सदस्य डॉ. रमा शर्मा, डॉ. ममता शर्मा, डॉ. पूनम वर्मा एवं डॉ. सतीश चंद्रा उपस्थित रहें।

****

विशेषज्ञ डॉ. जसमीत कौर को सम्मानित करते हुए डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव तथा साथ में अन्य फेकल्टीज़

विशेषज्ञ व्याख्यान : 29 नवंबर को शिक्षण एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस अवसर पर वक्ता शिक्षा विभाग, माता सुंदरी कॉलेज, दिल्ली की अध्यक्षा डॉ. जसमीत कौर ने 4 वर्षीय पाठ्यक्रम आईटीपीके छात्रों का ज्ञानवर्द्धन किया तथा विद्यार्थियों के कठपुतली कला द्वारा किए गए प्रदर्शन की सराहना की एवं विद्यार्थियों को कठपुतली कला के माध्यम से विभिन्न

प्रकार की शिक्षण सहायक सामग्री बनाने के लिए भी प्रेरित किया। इस व्याख्यान से विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव, फेकल्टीज़ डॉ श्रुति कंवर, डॉ. ममता रानी, डॉ. शालिनी भारद्वाज एवं डॉ. वैशाली सहित विद्यार्थी लाभान्वित हुए ।

****

12वें अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना पेशेवर शिखर सम्मेलन में व्याख्यान के दौरान

12वें अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना पेशेवर शिखर सम्मेलन : 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक 12वें अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना पेशेवर शिखर सम्मेलन (I-LIPS) 2024 का आयोजन सोसायटी फॉर लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स और बिहार लाइब्रेरी एसोसिएशन के सहयोग से डॉ. बी.आर. अंबेडकर लाइब्रेरी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय और गलगोटियास विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा द्वारा संयुक्त तत्वाधान में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही ।

इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय, सम्मानित अतिथि इग्नू की कुलपति प्रो. उमा कांजीलाल, तुकाडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय और राजा राममोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन (आरआरआरएलएफ) की प्रतिनिधि प्रोफेसर शालिनी लिहितकर, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा रहें ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री योगेन्द्र उपाध्याय ने नवाचार को बढ़ावा देने में उच्च शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका और ज्ञान प्रसार के मूलभूत स्तंभों के रूप में पुस्तकालयों के महत्व पर जोर दिया। प्रो. शालिनी लिहितकर ने लाइब्रेरियनशिप में नवीन प्रथाओं के परिवर्तनकारी प्रभाव पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। प्रो. उमा कांजीलाल ने शैक्षणिक पुस्तकालय परिदृश्य के भीतर नवीन उपकरणों के एकीकरण और तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास की आवश्यकता पर चर्चा की। प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने ज्ञान के प्रसार को बढ़ावा देने में लाइब्रेरियनशिप की महत्वपूर्ण भूमिका और आधुनिक सूचना उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए तकनीकी प्रगति को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उनके संबोधन ने इन उभरती चुनौतियों और अवसरों से निपटने में शिखर सम्मेलन की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. माया देवी ने शिखर सम्मेलन की उपलब्धियों और नवीन पुस्तकालय प्रथाओं को आगे बढ़ाने में इसकी भूमिका पर जोर दिया।

इस सम्मेलन में क्वींस कॉलेज, न्यूयॉर्क से डॉ. एमिली ड्राबिंस्की (पूर्व अध्यक्ष अमेरिकन लाइब्रेरी एसोसिएशन), शेफ़ील्ड विश्वविद्यालय के डॉ. लियो एपलटन, महिदोल विश्वविद्यालय, थाईलैंड के प्रो. (डॉ.) सुप्पावोंग तुआरोब, जापान के त्सुकुबा विश्वविद्यालय से डॉ. साओरी डोनकाई, आईजीएनसीए के शैक्षणिक अधिष्ठाता और निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) रमेश सी. गौड़, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता एन.पी.मलकानिया सहित विश्व के अनेक हस्तियों ने एआई-संचालित पुस्तकालय सेवाओं, उभरती प्रौद्योगिकियों और उनके निहितार्थों में प्रगति, डिजिटल पुस्तकालयों, कॉपीराइट मुद्दों, डिजिटल और सूचना साक्षरता और चैटजीपीटी जैसे उपकरणों पर केंद्रित, जो अनुसंधान और व्यक्तिगत उपयोगकर्ता अनुभवों को बढ़ाते हैं आदि विषयों पर चिंतन-मनन किया ।

****

औद्योगिक दौरा : 2 दिसम्बर को इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान में औद्योगिक दौरा का आयोजन किया गया, जिसमें सौर ऊर्जा के विभिन्न परीक्षण केन्द्र की चर्चा की गई । इस अवसर पर परीक्षण केन्द्र में एनआईएसई के उप-निदेशक डॉ. बी.बी.बोरा ने छात्रों के साथ सोलर, इन्वर्टर, बैटरी और लाइटिंग पर बातचीत की । इस दौरे में इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. कीर्ति पाल, डॉ. एम.ए.अंसारी, डॉ.ओमवीर सिंह, श्री रविकांत यादव तथा विद्यार्थी शामिल रहें ।

****

सत्रीय परीक्षा : 2 दिसंबर से 23 दिसंबर तक गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में सत्रीय परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

****

10-दिवसीय रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स

10 दिवसीय रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स : 3 से 13 दिसंबर तक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित 10-दिवसीय रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य अनुसंधान में एआई का एकीकरण है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, कुलपति, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, प्रो. डी.के. मदान, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला, प्रो. एन.पी.मल्कानिया, शैक्षणिक अधिष्ठाता, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, सहित डॉ. इंदु उप्रेती, अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, प्रो. श्वेता आनंद, पाठ्यक्रम निदेशक और डॉ. वर्षा दीक्षित, पाठ्यक्रम सह-निदेशक शामिल रहें।

इस अवसर पर प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह कार्यक्रम अकादमिक उत्कृष्टता और अनुसंधान के लिए जीबीयू की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। आईसीएसएसआर के समर्थन से हमारा लक्ष्य सभी प्रतिभागियों को एक समृद्ध शिक्षण अनुभव प्रदान करना है। प्रो.डी.के.मदान ने भारतीय अर्थव्यवस्था में जीडीपी की भूमिका, सतत विकास के महत्व और नीति निर्माण में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। अपनी टिप्पणी में पाठ्यक्रम निदेशक प्रो. श्वेता आनंद ने इस आयोजन के बारे में उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, "यह शोध पद्धति पाठ्यक्रम विद्वानों के लिए अपने शोध कौशल को निखारने और उन्नत पद्धतियों की समझ को व्यापक बनाने का एक अमूल्य अवसर है। हम अपने ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा करने के लिए पूरे भारत से विशेषज्ञों को एक साथ लाकर रोमांचित हैं।' इस कोर्स से प्रतिभागी कार्यशालाओं और इंटरैक्टिव सत्रों से लाभान्वित हुए।

****

'रीजनल कंसलटेटिव मीट ऑन आई.टी.ई.पी.' में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के फेकल्टी

तीन दिवसीय 'रीजनल कंसलटेटिव मीट ऑन आई.टी.ई.पी.' का आयोजन : एनसीआरटी दिल्ली द्वारा 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय 'रीजनल कंसलटेटिव मीट ऑन आई.टी.ई.पी.' का आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न भागों से इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम संचालित करने वाले विभिन्न शिक्षण संस्थानों ने प्रतिभाग किया। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में आईटीईपी संचालन से संबंधित विभिन्न प्रकार के प्रश्नों, समस्यायों एवं चुनौतियों तथा इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम को और अधिक उन्नत बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के सुझावों पर विचार विमर्श किया गया। इसी संदर्भ में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार श्रीवास्तव प्रवक्तागण डॉक्टर श्रुति कंवर एवं डॉ ममता रानी ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

साइबर सुरक्षा पर पाँच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

साइबर सुरक्षा पर पाँच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम : 18 दिसम्बर को स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन कम्युनिकेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा साइबर सुरक्षा पर पाँच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया। यह प्रोग्राम केंद्रिय उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र (सी-डैक नोएडा), जो इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. एन.पी.मलकानिया, सी-डैक की वैज्ञानिक श्रीमती रेखा सारस्वत, कांति सिंह और अन्य सम्मानित सदस्य उपस्थित रहें। इस अवसर पर प्रो. मलकानिया ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया और साइबर सुरक्षा प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवाचारों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा और डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम-2023 (डीपीडीपी) पर परिचयात्मक सत्रों सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने विभिन्न प्रकार के साइबर हमलों के बारे में जानकारी प्रदान की, जिसमें मैलवेयर, इसके लक्षण और हमलावरों की मानसिकता शामिल थी। साइबर किल चेन के चरणों पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें 'रिकोनिसेंस' भी शामिल रहा, कार्यक्रम में एडवांस पर्सिस्टेंट थ्रेट्स (एपीटी), रैंसमवेयर और साइबर हमलों को रोकने के लिए रणनीतियों पर चर्चा की गई। डॉस (डीओएस) और डीडीओएस हमलों जैसे विभिन्न हमलों पर चर्चा की गई, जिनमें उनके प्रभाव और निवारण तकनीकों पर प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा नीतियाँ, घटना प्रतिक्रिया योजना और जोखिम मूल्यांकन पर भी चर्चा की गई। जिससे प्रतिभागियों को सुरक्षा जोखिमों की पहचान और समाधान के लिए उपकरण प्राप्त हुए। कार्यक्रम ने विशेषज्ञों द्वारा साझा किए गए वास्तविक जीवन के उदाहरणों और व्यावहारिक ज्ञान के साथ बहुत ही रोचक और सूचनात्मक अनुभव प्रदान किया।

कार्यक्रम में डॉ. अर्पित भारद्वाज, डॉ. नीता सिंह, डॉ. विदुषी शर्मा, डॉ. अनुराग सिंह बघेल, डॉ. प्रदीप तोमर, डॉ. आरती गौतम दिनकर और अन्य फैकल्टी सदस्य तथा प्रतिभागी उपस्थित रहें।

****

ई-टैबलेट वितरण कार्यक्रम

टैबलेट वितरण : 20 दिसम्बर को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार की स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को ई-टैबलेट वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। यह ई-टैबलेट वितरण का तीसरा चरण था, जिसमें 400 टैबलेट वितरित किए गए। इससे पहले ई-टैबलेट तथा स्मार्टफोन वितरण के दो चरण पूरे हो चुके हैं, जिसमें 828 टैबलेट और मोबाइल वितरित किए जा चुके हैं। यानी की 1228 ई-टैबलेट तथा स्मार्टफोन का वितरण हो चुका है।

****

विश्व ध्यान दिवस 2024

विश्व ध्यान दिवस : 21 दिसम्बर को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर एक विशेष ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में योग एवं ज्ञान के प्रोफेसर डॉ. अरविंद, जिम्स के गायनोलॉजिस्ट डॉ. अर्चना गुप्ता और विश्वविद्यालय की शिक्षिका ज्योति कौरव ने ध्यान के महत्व और इसके लाभों पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर सदस्य ध्यान के लिए शामिल हुए।

****

राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर फेकल्टीज़ एवं विद्यार्थी

राष्ट्रीय गणित दिवस 2024 : 22 दिसंबर को अनुप्रयुक्त गणित विभाग ने भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 137वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय गणित दिवस 2024 बड़े धूमधाम से मनाया। इस कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, मुख्य अतिथि प्रो. शांता लैशराम, विशिष्ट अतिथि श्री भक्त श्रेष्ठ दास रहें। मुख्य अतिथि और प्रसिद्ध गणितज्ञ प्रो. शांता लैशराम ने श्रीनिवास रामानुजन के जीवन और उनके गणितीय योगदान पर व्याख्यान दिया। उन्होंने संख्या सिद्धांत, हाइपरजियोमेट्रिक श्रृंखला, रीमैन श्रृंखला, अण्डाकार समाकलन और जीटा फ़ंक्शन के कार्यात्मक समीकरणों पर रामानुजन के योगदान पर गहराई से चर्चा की। इसके बाद, श्री भक्त श्रेष्ठ दास ने श्रीनिवास रामानुजन के जीवन और उनके आध्यात्मिक पहलू पर एक अद्वितीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने गणित और आध्यात्मिकता के बीच के गहरे संबंध को उजागर किया।

इस अवसर पर गणित विभाग के छात्रों ने एक पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें उन्होंने श्री रामानुजन के जीवन और उनके गणित में योगदान को चित्रित किया। कार्यक्रम में एक संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने गणितज्ञ के जीवन पर चर्चा की और उनके कार्यों से प्रेरणा ली। इस कार्यक्रम में डॉ. प्रतीक्षा सक्सेना, डॉ. सुशील कुमार सहित विभाग के अन्य फेकल्टीज़ एवं छात्र-छात्राएँ वक्ताओं के अनुभव से समृद्ध हुए।

****

अमेरिका से पधारे बौद्ध भिक्खुओं ने किया जीबीयू भ्रमण : 25 दिसंबर को अमेरिका के टेक्सास स्थित हसन बुद्ध विहार के वर्तमान निवासी डॉ. भिक्खु अमितानंद थेरो, जो मूलतः श्रीलंका के निवासी हैं, ने अपने सहयोगी बौद्ध भिक्षुओं, भिक्षु चंदिमा थेरो (अध्यक्ष, धम्मा प्रशिक्षण केंद्र, सारनाथ) और भिक्षु संघरक्खित (म्यांमार बुद्ध विहार, कुशीनगर) के साथ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) का भ्रमण किया।

इस अवसर पर जीबीयू के बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य और डॉ. मनीष मेश्राम ने आगंतुक भिक्षुओं को महात्मा जोतिबा फुले ध्यान केंद्र, महामाया शांति सरोवर और डॉ. भीमराव अंबेडकर केंद्रीय पुस्तकालय सहित विश्वविद्यालय के प्रमुख

स्थलों का अवलोकन कराया। संकाय कार्यालय में आयोजित बैठक में बौद्ध अध्ययन के विभागाध्यक्ष डॉ. चिंतला वेंकटा सिवासाई, डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य, डॉ. प्रियदर्शिनी मित्रा और डॉ. मनीष मेश्राम ने आगंतुक भिक्षुओं के साथ पालि और बौद्ध अध्ययन के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान विभागाध्यक्ष ने अधिष्ठाता प्रो. श्वेता आनंद, डॉ. अरविंद कुमार सिंह, डॉ. चंद्रशेखर पासवान और विक्रम सिंह यादव सहित सभी संकाय सदस्यों का परिचय दिया। भिक्षु चंदिमा थेरो तथा भिक्षुओं ने जीबीयू भ्रमण के बाद अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय की अकादमिक गतिविधियों और योगदान की सराहना की।

****

डॉ. निर्मिता मेहरोत्रा 'आरिका प्रथम अन्वेषक पुरस्कार' प्राप्त करते हुए

पुरस्कार :

आरिका प्रथम अन्वेषक पुरस्कार : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के शहरी व क्षेत्रीय नियोजक विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. निर्मिता मेहरोत्रा को पिंकप्रिंट आईएईए के यूपी चैप्टर द्वारा 'आरिका प्रथम अन्वेषक पुरस्कार' प्रदान किया गया । यह कार्यक्रम पुरी, उड़िसा में आयोजित किया गया।

****

सचिन सिंह और आशीष राघव

छात्र सचिन सिंह और आशीष राघव ने 'टीसीएस कोडविटा' प्रतियोगिता में प्राप्त किए 202वीं और 218वीं रैंक : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के 5-वर्षीय एकीकृत बी.टेक-एम.टेक कार्यक्रम के अंतिम वर्ष के दो छात्रों सचिन सिंह और आशीष राघव ने वैश्विक स्तर पर 'टीसीएस कोडविटा' (TCS CodeVita) प्रतियोगिता में क्रमशः 202वीं और 218वीं रैंक प्राप्त की है। यह प्रतियोगिता टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा आयोजित एक प्रतिष्ठित वैश्विक प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता है, जिसे गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता के रूप में मान्यता प्राप्त है।

****

पीएच.डी. : बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग के शोधार्थी नैनी, सारा, ट्रुंग हुई ट्रंग, स्कूल ऑफ बायोटेक्नॉलॉजी के शोभी, स्कूल ऑफ लॉ, जस्टिस एवं गवर्नेंस की बबिता, स्कूल ऑफ आई.सी.टी. की इन्दू, स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज़ एवं अप्लाइड साइंस के मनीष कुमार गुप्ता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की मोनिका गौर, शालीनी, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के नितिन शर्मा को पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई ।

****

डॉ. सुशील कुमार

प्रोजेक्ट : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के मैथमैटिक्स डिपार्टमेंट, स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडिज़ एंड अप्लाइड साइंस के फेकल्टी डॉ. सुशील कुमार (प्रिंसपल इन्वस्टीगेटर) तथा आईआईटी मंडी के प्रो. मनोज ठाकुर (को-प्रिंसपल इन्वस्टीगेटर – 1), सिम्बायोसिस सेंटर फॉर मैनेजमेंट स्टडीज़, नोएडा कैम्पस, सिम्बायोसिस इन्टरनेशनल यूनिवर्सिटी, पूणे की डॉ. रीना नुपुर (को-प्रिंसपल इन्वस्टीगेटर – 2) को मिन्स्ट्री ऑफ अर्थसाइंस के मानसून मिशन फेज़-3 (आईआईटीएम, पूणे) के अंतर्गत 'इंटिग्रेटेड डायग्नॉस्टिक एंड न्यूमेरिकल मॉडलिंग ऑफ हैवी प्रेसिपिटेशन इवेन्ट्स इन इंडिया विथ फोकस ऑन वेस्टर्न उत्तर प्रदेश, न्यू डेलही एंड हिमाचल प्रदेश : डाटा असिमिलेशन टेक्निक्स / एआई-एमएल' विषय पर प्रोजेक्ट प्राप्त हुआ ।

****

प्लेसमेंट : नवंबर-दिसंबर, 2024 माह में माई जॉब ग्रो, 99एकरस, क्लाउड एनालॉजी, एचडीएफसी लाइफ, 75वे टेक्नोलॉजी, एनईपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ईजीमाईट्रिप, एल्गो सिरस, टीचनुक, एकेडेमर एडुटेक, बायर फोरसाइट, प्लैनेट स्पार्क, नागरो शॉफवेयर, मिंडा कॉर्पोरेशन लिमिटेड, स्क्रैपअंकल, इन प्लेसमेंट ड्राइव में 40 से अधिक छात्रों का चयन हुआ ।

****

<u>संपादकीय-मंडल</u>

प्रमुख संरक्षक : प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, कुलपति, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

संरक्षक : डॉ. विश्वास त्रिपाठी, कुलसचिव, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

मुख्य संपादक : प्रो. बंदना पांडेय, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

संपादक : डॉ. रेनू यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

डिज़ाइनिंग: श्री राजकुमार, तकनीकी अधीक्षक, सीसीसी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

शिक्षणेत्तर सहयोगी : अमित, कार्यालय सहायक, कुलपति ऑफिस, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

नोट : यह न्यूज़ लेटर विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को रेखांकित करने हेतु सूचना मात्र है, न कि कानूनी दस्तावेज़ ।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
नियर यमुना एक्सप्रेस-वे, ग्रेटर नोएडा गौतम बुद्ध नगर,
उत्तर प्रदेश-201312 (भारत) फ़ोन नं.: 0120-2344200